ANNUAL REPORT

2018-19

JAN KALYAN SAMAJIK SANSTHAN
Block No. 2 & 3, Kavita Complex, Kourinbhata , Rajnandgaon ,
Dist – Rajnandgaon (C.G.) India, Pin – 491441
Phone: 07744 292987 Email: jksssomni@gmail.com
Website: www.jankalyanindia.org

रेप फ्री इंडिया कैम्पेन

कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन्स फाउन्डेशन इंडिया द्वारा छ.ग. राज्य में बलात्कार मुक्त भारत अभियान का संचालन किया गया, जिसमें जन कल्याण सामाजिक संस्थान, राजनांदगांव द्वारा लोकसभा उम्मीदवारों से शपथ पत्र पर हस्ताक्षर कराये गए। शपत्र पत्र में प्रत्याशी द्वारा शपथ ली गई कि अपने लोकसभा क्षेत्र को रेप मुक्त करने के लिये काम करता रहूंगा, अगर ससंद सदस्य के रूप में मेरा चयन होता है तो मैं निम्नलिखित मुद्यों को संसद को उठाता रहूंगाः–

- रेप मुक्त भारत के लिये सरकार को चाहिए कि वह एक बजटीय राष्ट्रीय कार्य योजना बनाने को सुनिश्चित करे।
- हमारे देश की महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय बजट में कम से कम 10 प्रतिशत राशि सुनिश्चित की जाए।

मेरा मानना है कि किसी ऐसे व्यक्ति को चुनाव का उम्मीदवार नहीं बनाया जाए जिन पर बलात्कार के मामले चल रहे हों या जो उसके अभियुक्त हों। कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन्स फाउन्डेशन इंडिया एवं छ.ग. में रेप फ्री इंडिया में शामिल संस्थाओं ने मिलकर राज्य स्तरीय जन सुनवाई का कार्यक्रम किया जिसमें अलग–अलग वर्गो के प्रतिनिधि शामिल हुए, जिसमें स्थानीय स्वंय सेवी संस्थाएं, वकील, पत्रकार, शिक्षावीर, लेखक एवं सामाजिक कार्यकर्ता प्रमुख थें, सभी ने अपने–अपने विचार रेप फ्री इंडिया कैम्पेन को लेकर रखे इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन्स फाउन्डेशन इंडिया के ओम प्रकाश पाल जी उपस्थित थें, इस अभियान के अंतर्गत एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया जिसमें कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन्स फाउन्डेशन इंडिया एवं सहभागी संस्थाएं जो कार्यक्रम से शुरूआत से जुड़ी रही एंव इस पूरी अभियान में जिनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही उपस्थित थे।

विश्व धुम्रपान दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम

खैरागढ़ः— समाज कल्याण विभाग के मार्गदर्शन में जनकल्याण सामाजिक संस्थान, राजनांदगांव के द्वारा आज खैरागढ़ ब्लॉक के ग्प्रम मरकामटोला में महिला कमाडों के द्वारा गांव में नशा मुक्ति के लिए पुरें ग्राम में रैली निकाल करके लोगों में जागरूकता का संदेश दिया, साथ ही साथ चौक—चौराहे पर लोगों को पोस्टर, पाम्पलेट के माध्यम में धुम्रपान से हो रहे नुकसान के बारे में अवगत करवाया कि किस प्रकार के शराब, तंबाखु, सिगरेट, गुटखा हमारे शरीर के लिए नुकसानदायक है, साथ ही साथ यह हमें कैंसर के अंतिम स्टेज तक ले जा सकता है जो कि मौत का कारण बन सकता है, जिसमें हमारे परिवार को व समाज को इसके नुकसान का सामना करना पड़ सकता है और परिवार को आर्थिक हानि का सहन करना पड़ता है, इस अवसर पर महिला कमाडों के अध्यक्ष श्रीमति सीमा साहू, सचिव निर्मला, सदस्य गंगा, शारदा, खिलेश्वरी साथ ही अन्य सदस्यो कें साथ गांव के सरपंच भुनेश्वरी देवांगन सचिव द्वारका कनौजे का सहयोग रहा और इस कार्यक्रम को संचालन के रूप में जनकल्याण सामाजिक संस्थान, राजनांदगांव के लिंक वर्कर स्किम कें जोनल सुपरवाईजर दीपक साहू, लिंक वर्कर सूरज भारती, कांति कोसले, सवित्री सिंह किया गया। लिंक वर्कर और जोनल सुपरवाईजर के द्वारा जानकारी दिया गया कि महिलाओं के द्वारा गांव से धुम्रपान को दूर करने के लिए हमारे द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है व गांव में नुक्कड़—नाटक और नारा लेखन के माध्यम से लोगों में जागरूकता लाया जा रहा है, इस अवसर पर ग्राम के सरपंच, ग्रांमवासी, पंच, महिला कमाण्डों के सदस्य, जनकल्याण सामाजिक संस्थान के कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा। डोंगरगढ ..समाज कल्याण विभाग के मार्गदर्शन में जनकल्याण सामाजिक संस्थान, राजनांदगांव के द्वारा आज डोंगरगढ ब्लॉक के ग्प्रम कान्हारगांव में महिला कमाडों के द्वारा गांव में नशा मुक्ति के लिए पुरें ग्राम में रैली निकाल करके लोगों में जागरूकता का संदेश दिया, साथ ही साथ चौक—चौराहे पर लोगों को पोस्टर, पाम्पलेट के माध्यम में धुम्रपान से हो रहे नुकसान के बारे में अवगत करवाया कि किस प्रकार के शराब, तंबाखु, सिगरेट, गुटखा हमारे शरीर के लिए नुकसानदायक है, साथ ही साथ यह हमें कैंसर के अंतिम स्टेज तक ले जा सकता है जो कि मौत का कारण बन सकता है, जिसमें हमारे परिवार को व समाज को इसके नुकसान का सामना करना पड़ सकता है और परिवार को आर्थिक हानि का सहन करना पड़ता है, इस अवसर पर महिला कमाडों के अध्यक्ष श्रीमति फुलु बाई, सचिव रेवती बाई, सदस्य,गंगा खिलेश्वरी,जानकी साथ ही अन्य सदस्यो कें साथ ग्रामवासी का सहयोग रहा

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम

राजनांदगांव– जनकल्याण सामाजिक संस्थान, राजनांदगांव के द्वारा आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में राजनांदगांव जिला के विभिन्न स्थानों पर रैली व संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं के अधिकार एवं उनके दायित्वों के बारे में चर्चा किया गया, जिसमें कार्यक्रम राजनांदगांव ब्लॉक के ग्राम–लिटिया,बागतराई खैरागढ़ ब्लॉक के ग्राम–मरकामटोला, एवं सांगीनकछार इत्यादि स्थानों में महिला सशक्तिकरण हेतु संस्था के द्वारा इन सभी ग्रामों में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं के अधिकारों के बारे में संस्था के कार्यकर्ताओं के द्वारा सभी महिलाओं को अवगत कराया गया साथ ही साथ यह भी बताया गया कि आज महिलाएं समाज में अपनी भुमिका एक महत्वपूर्ण ढंग से निभा रही है और परिवार के साथ–साथ समाज के विकास में भी अपना दायित्व का निर्वाह कर रही है, महिलाओं के सगंठन के माध्यम से आज महिलाएं आजीविका से जुड़ी है और अपना परिवार का पालन–पोषण कर रही है, सभी महिलाओं को स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, स्वच्छता के बारे में भी जानकारी दी गयी, ग्राम सांगीनकछार की महिला सरपंच ग्रामीण महिलाओं को अपना उदाहरण देते हुए बतायी की आज महिलाएं जो है पुरूषों से कम नहीं है, महिलाएं भी आज समाज के विकास के लिए कुछ कर सकती है, और समाज में अपना एक अच्छा स्थान स्वयं बना सकती है, आज महिलाओं के संगढन के द्वारा प्रत्येक गांव में नशा मुक्ति के लिए सभी महिलाएं मिलकर प्रयासरत है जानकारी दी कि आज हम सभी महिलाएं आत्मनिर्भर होकर सभी जगह कार्य कर रहे है और हम अपने आप को छोटा महसूस नहीं करते है कार्यक्रम में महिला में महिला समूह के सदस्य ग्रामीण महिला, ग्राम के सरपंच, व संस्था के कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा।

विश्व क्षय दिवस पर जागरूकता हेतु कार्यक्रमो का आयोजन

जनकल्याण सामाजिक संस्थान, राजनांदगांव एवं छ. ग. राज्य एड्स नियंत्रण समिति, रायपुर के संयुक्त तत्वावधान मे संचालित लिंक वर्कर स्कीम परियोजना के अंतर्गत छुईखदान विकासखण्ड के ग्राम सूराडबरी, डोगरगांव विकासखण्ड के सांगिनकछार व जन्तर राजनांदगांव विकासखण्ड के ठेलकाडीह मे संगोष्ठी व रैली का आयोजन किया गया जिसमे गांव की महिला समूह , आंगनबाड़ी कार्यकर्ता , पंच, सरपंच, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता तथा मितानिनो ने भाग लिया । इस बैठक का आयोजन टीबी मुक्त भारत की संकल्पना को पुरा करने की दृष्टि से किया गया बैठक मे लोगो को बताया गया कि किस प्रकार टीबी हमारे देश के लिए विकट समस्या बनती जा रही है , तथा इसका इलाज संभव होने के बाद भी लोग जानकारी के अभाव व सामाजिक अवहेलना के डर से इसकी चपेट मे आ रहे है । कार्यक्रम के सुपरवाईजर दिपक साहू ,भीमसेन साहू ने बताया कि किन लोगो को टीबी हो सकती है तथा इनके लक्षण 2 सप्ताह से अधिक समय से खांसी का आना , भूख न लगना , वजन का कम होना , शाम को हल्का बुखार का आना , काम करते वक्त जल्दी थक जाना , कभी कभी बलगम या खखार के साथ खून का आना ये सब इसके लक्षण है इनमे से यदि दो या तीन लक्षण भी दिखाई दे तो ऐसे मरीज को देर न करते हुए तुरंत नजदीक के डी.एम.सी मे जाकर अपना खंखार/बलगम की जांच करवाना चाहिए यह जांच तथा इसका इलाज पुरी तरह से निःशुल्क है इसके लिए किसी भी प्रकार के पैसे खर्च करने की आवश्यकता नही पड़ती है । लैब टेकन्नीशन दिनेश सिन्हा ने टीबी के बारे मे उन्हे बताया गया कि यह ऐसी बीमारी होती है जो हवा के द्वारा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक फैलती है तथा यह घर के ऐसे बच्चे जो कुपोषित होते है उन्हे होने की संभावना ज्यादा होती है साथ ही साथ टीबी मरीज को कौन कौन सी सावधानियां रखनी चाहिए यह भी जानकारी दी गई। संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि संस्था राजनांदगांव जिले मे लिंक वर्कर परियोजना के द्वारा 100 से अधिक ग्रमो मे टी. बी. के प्रति जागरूकता लाने के लिए ग्राम स्तर पर बैठको का आयोजन, के माध्यम से संभावित टी. बी. के मरीजो की पहचान कर उनके खखार को इकठ्ठा करना, टी. बी. मरीजो से मिलकर उनकी स्थिति की पडताल करना, स्थानिय डाक्टरो से मुलाकात कर टी. बी. के जांच हेतु प्रेरित करना प्रमुख कार्य है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगा आसन

जनकल्याण सामाजिक संस्थान, राजनांदगांव के द्वारा संचालित लिंकवर्कर स्कीम परियोजना के अतंर्गत आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में डोंगरगांव ब्लॉक के ग्राम आसरा में स्कुली छात्र–छात्राओं, ग्रामवासी, जनप्रतिनिधि के साथ योग किया गया, जिसमें आयुर्वेद और ग्रंथालय के स्टॉफ द्वारा बताया गया कि वर्तमान में योग को शारीरिक मानसिक व आत्मिक स्वास्थ्य व शांति के लिए बड़े पैमाने पर अपनाया जाता है। 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रत्येक वर्ष 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मान्यता दी और 21 जून 2015 को प्रथम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया फिर आज पुरे विश्व मे योग दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर योग शिक्षक टुम्मन साहू के द्वारा सुर्य नमस्कार, मुद्रासन, पदमासान, मन्द्रकोसन, प्रमुत्व आसन कराया गया व प्राणायाम भी कराया गया व इसके लाभ हमारे शरीर पर किस प्रकार से होता है। उसके बारे में विधिवार फायदे की जानकारी दिया गया। योग केंवल हमारे शरीर के साथ–साथ तन,मन को भी स्वस्थ रखता है। जिससे हम सभी हमेंशा मजबूत रहते है। आज हर वर्ग के व्यक्ति के लिए योग करना अनिवार्य है। और इस योग को हमारे दैनिक जीवन के दिनचर्या में सम्मेलित करना अनिवार्य हो गया है। तभी हम सभी एक स्वस्थ राज्य के निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं। और अपने तन,मन को हमेशा स्वस्थ रख सकते है। कार्यक्रम में लिंकवर्कर परियोजना के सुपरवाईजर भीमसेन साहू लिंकवर्कर टुम्मन साहू, आबिदा बेगम, शा.उ.मा.शाला आसरा के प्राचार्य इन्द्रमन लाल निषाद, प्राथमिक स्कूल के प्राचार्य चरण दास साहू, श्री लोकेश यदु श्रीमति सरोजलता देवांगन, कौशल साहू ,छोटु एवं स्कूली छात्र–छात्राओं, ग्रामवासी, जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रेड रिबन एवं हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम

आज दिनांक 01 दिसम्बर, 2018 को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति रायपुर (छ.ग.) के सहयोग से जनकल्याण सामाजिक संस्थान, राजनांदगांव, (छ.ग.) द्वारा संचालित लिंक वर्कर स्कीम के अंर्तगत जय स्तम्भ चौक राजनांदगांव के पास मे टेण्ट लगा करके रेड रिबन एव हस्ताक्षर अभियान के द्वारा लगभग 2000 लोगों को एच.आई.वी. एवं एड्स के प्रति जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम मे मुख्य रूप से अमलेन्दु हाजरा वरिष्ठ अधिवक्ता एवं लोकपाल मनरेगा राजनांदगांव, के द्वारा हस्ताक्षर कर रेड रिबन लगाकर जन समुदाय को एच0आई0वी0/एड्स के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। एड्स एक गंभीर बिमारी हैं, जिसे केवल जागरूकता के माध्यम से ही दूर किया जा सकता हैं। संस्था के द्वारा जय स्तम्भ चौक राजनांदगांव मे एक फोल्डींग टेंट लगाया गया था। इस स्टाल के माध्यम से आस पास मे उपस्थित लोगों को आइ. ई. सी. मटेरियल का वितरण

करते हुए एवं उनके कपड़ों मे रेड रिबन लगाते हुए उन्हे एच.आई.वी. एवं एड्स के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम अंर्तगत स्टाल मे साउंड बाक्स एवं माईक का व्यवस्था किया गया था जिसके माध्यम से लिंकवर्करों द्वारा निरंतर एच.आई.वी. एवं एड्स से मुक्ति का नारा लगाया जा रहा था एवं इन नारों के साथ साथ उपस्थित जनसमूह को एच.आई.वी. एवं एड्स के प्रति जागरूक करने के लिए एच.आई.वी. संक्रमण के चार कारण है।

एच.आई.वी./एड्स जागरूकता रैली कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति रायपुर के सहयोग से विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जनकल्याण सामाजिक संस्थान द्वारा संचालित लिंक वर्कर स्कीम (परियोजना) के अंतर्गत ब्लॉक डोंगरगांव में आसरा , ब्लॉक डोंगरगढ़ में ग्राम मेढा, मोहारा छुईखदान में बुदेली,अतारिया ब्लाक खैरागढ़ मे गातापार,धुमका कालेज में संगोष्ठी व रैली कार्यक्रम का आयोजन किया गया।रैली मे उपस्थित जनसमूह एवं विद्यालयीन छात्र–छात्राओं को यह बताया गया कि आज विश्व एड्स दिवस है और आज के दिन पूरी दुनिया में एच.आई.वी./एड्स से लड़ने का एवं समाज को एच.आई.वी./एड्स मुक्त बनाने

का संकल्प लिया जाता है और यही कार्य हम सबको भी करना है। इस रैली को प्रारंभ करने से पहले सभी रैली स्थानों पर एक परिचर्चा रखा गया था जिसमे बताया गया कि लिंकवर्कर स्कीम राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा प्रायाजित कार्यक्रम है जिसे छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति रायपुर के सहयोग से जनकल्याण सामाजिक संस्थान द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्वेश्य ग्रामीण क्षेत्रों में एच.आई.वी. एवं एड्स के बारे मे जानकारी प्रदान करके ग्रामीण समुदाय मे विशेषकर उच्च जोखिम समूह एवं युवा वर्ग में जागरूकता लाना एवं लक्षित समुदाय को सेवाओं से जोड़ना है।

इस कार्यक्रम के संचालन हेतु राजनांदगांव जिले के 100 ग्रामों का चयन किया गया है एवं यह ग्राम 06 ब्लाक से परियोजना के लक्ष्य के आधार पर चयन किया किया गया है। जिसके अंर्तगत राजनांदगांव ,डोंगरगांव, छुरिया, खैरागढ़, डोंगरगढ़ एवं छुईखदान ब्लाक सम्मिलित है। अपने–अपने कार्य क्षेत्र में सभी लिंक वर्कर्स द्वारा लोगों को रेड रिबन लगाया गया। इसकें बाद गांव में रैली निकाला गया इस रैली में आई.ई.सी मटेरियल्स वितरण किया गया एवं नारों के साथ रैली का सफलता पूर्वक संचालन किया गया । आज यह कार्यक्रम पूर्व तैयारी के अनुसार निर्धारित स्थानों में चयनित ब्लाक के अन्तर्गत जिन ग्रामों में किया गया वे इस प्रकार है– लिंक वर्कर स्कीम (परियोजना) के डोंगरगांव में आसरा , ब्लॉक डोंगरगढ़ में ग्राम मेढा, मोहारा छुईखदान में बुदेली,अतारिया ब्लाक खैरागढ़ मे गातापार,धुमका कालेज में संगोष्ठी व संगोष्ठी व रैली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज यहां रैली कार्यक्रम मुख्य रूप से वालेंटियर्स, स्टेक होल्डर्स की सहभागिता से हुआ। ग्राम भ्रमण के दौरान रैली में सम्मिलित समुदाय जन एवं ग्राम के हायर सेकेण्ड्री स्कूल स्तर के छात्र–छात्राओं ने बैनर, पोस्टर व नारों के माध्यम से एच.आई.वी./एड्स की जागरूकता का प्रसार किया। उक्त कार्यक्रम में पंचायत के सरपंच अन्य पंचायत सदस्य, मितानीन व स्व सहायता समूह के सदस्य सम्मिलित हुए। एच.आई.वी./एड्स की जागरूकता प्रसार करते हुए लिंक वर्कर ने आई.ई.सी. मटेरियल वितरित भी किया

संगोष्ठी के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति रायपुर के सहयोग से विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जनकल्याण सामाजिक संस्थान द्वारा संचालित लिंक वर्कर स्कीम के अंर्तगत राजनांदगांव, डोंगरगांव, डोंगरगढ़ एवं छुईखदान ब्लाक के ग्रामों मे संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी तारतम्य में जोनल सुपरवाईजर भीमसेन साहू , दीपक साहू आसरा ,गातापार मे संगोष्ठी कार्यक्रम में उपस्थित सहभागियों को यह बताया गया कि

आज विश्व एड्स दिवस है और आज के दिन पूरी दुनिया में एच.आई.वी./एड्स से लड़ने का एवं समाज को एच.आई.वी./एड्स मुक्त बनाने का संकल्प लिया जाता है और आज हम सबको भी यह संकल्प करना है कि हम सब मिलकर समाज को एच.आई.वी./एड्स से मुक्त करायेंगे। यह सगोष्ठी कार्यक्रम जिला राजनांदगांव के विभिन्न स्कूल मे संगोयठी कार्यक्रम का आयेजन किया गया। इस

संगोष्ठी कार्यक्रम में उपस्थित सहभागियों को यह बताया गया कि एड्स एक अवस्था है जिसका पूरा नाम इस प्रकार है **ए** – एक्वावर्ड (अनुंवाशिक) दूसरें से प्राप्त किया गया।

आई. – इम्युनो – रोग प्रतिरोधक शक्ति।

डी – डेफिसेन्सी –कमी।

एस –सिन्डोम – संलक्षण ।

इसी प्रकार एच.आई.वी. संक्रमण के बारे मे बताया गया कि एच.आई.वी वायरस प्रारंभ समय सुस्त अवस्था में होता है। एच.आई.वी वायरस संक्रमण के सामान्य लक्षण हो सकते है – लम्बे समय से खॉसी आना, लम्बे समय से बुखार आना, लम्बे समय से दस्त होना, दिनों दिन वनज का घटना, भुख न लगना, अवसरवादी संक्रमण जनित विभिन्न रोग होना, अन्य रोग जो दवाई लेने से भी ठीक नही होना लेकिन यह जरूरी नही है कि उक्त लक्षण एच.आई.वी संक्रमण के ही हो क्योंकि ये दूसरे बिमारियों के भी लक्षण हो सकते है । यह मात्र रक्त जांच से ही पता चलता है कि एच.आई.वी संक्रमण है या नही। 3–6 माह के विण्डो पिरीयड को विस्तार से समझाया गया।

सामुदायिक गतिशीलता

लिकं वर्कर पारियोजना के द्धारा ग्राम के दस महिला समूह के सदस्यो कि मिटिग रखा गया । जिसमे ग्राम के आ.बा कार्यकर्ता वह मितानिन उपस्थित थी । कार्यक्रम का संचालन जितेन्द्र जधेंल के द्धारा प्राराम्भ किया गया । जिसमे एक प्रेरणा गीत से आराम्भ किया गया फिर लिक वर्कर के बारे मे विस्तूत जानकारी दिया गया वह लिक वर्कर कि आवष्यकता क्यो हुवॉ उसके बारे मे भी जानकारी दिया गया । फिर H.I.V. AIDS के बारे मे जानकारी दिया गया तथा H.I.V. का पुरा नाम वह उसके बारे मे होने वारे वायरस के बारे मे तथा फैलने के चार कारण वह बचाव के बारे मे भी जानकारी दिया गया वह ।IDS के बारे मे भी जानकारी दिया गया तथा समाज मे भेदभाव के बारे मे भी चर्चा किया गया । फिर लिक वर्कर रिना सोनी,वह रमेश साहु, ने यौन जनित रोग के बारे मे महिलाऔ से बात किया तथा उसके फैलने के काराण वह बचाव के बारे मे जानकारी दिया गया । वह लिक वर्कर रिना सोनी ने महिलाऔ को कंडोंम

देती है । तिहरी सुरक्षा के बारे मे बातये फिर कंडोम डेंमो करके दिखाई वह महिला समूह के बारे मे बातये और फिर कार्यक्रम का संमापन किया गया । मिटिग मे जितेन्द्र जधेंल,लिक वर्कर रिना सोनी, वह ग्राम के 100 महिला उपस्थित थी ।

डेवलपमेंट इनिसिटिव इन छत्तीसगढ़

कासा रायपुर के सहयोग से राजनांदगांव जिले के मोहला ब्लॉक के पांच पंचायतों के 22 ग्रामों में इस परियोजना का संचालन संस्था द्वारा किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत निम्न गतिविधियां संचालित की जा रही है।

कार्यकर्ताओं का क्षेत्रिय स्तर पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण

कार्यक्रम की शुरूआत प्रशिक्षण में आये सभी छः जिलों के कार्यकर्ताओं के परिचय से प्रारंभ हुआ सभी ने अपने नाम व कार्य अनुभव की जानकारी प्रदान की। परियोजना के उद्येश्य के विषय में जनकल्याण सामाजिक संस्थान के अध्यक्ष योगेन्द्र प्रताप सिंह जी द्वारा प्रकाश डाला गया, जिसमें संगठन के माध्यम से वनअधिकार, व्यक्तिगत व सामुदायिक दावा तथा आजीविका को सुनिश्चित करना, तथा कार्यकर्ताओं की क्षमता वृद्धि करना, कासा परियोजना के अंतर्गत वनअधिकार पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण ग्राम बरगा, जिला राजनांदगांन (छ.ग.) में आयोजित किया गया, जिसमें छः जिलों के पार्टनरों ने सफलता पूर्वक हिस्सा लिया। जनकल्याण सामाजिक संस्थान, राजनांदगांव, समता जनकल्याण, दीन बंधु, लोक आस्था, सहभागी, खोज गरियाबंद के कार्यकर्ताओं ने वनअधिकार पर प्रशिक्षण लिया, कासा रायपूर से माधूरी पाठक जी, निकिता जी, नसीम जी, ने उपस्थिति देखकर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया तथा सभी संस्था प्रमुख ने उपस्थिति देखकर अलग–अलग विषयों में कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया। योगेन्द्र प्रताप सिंह जी द्वारा परियोजना के विषय व किन–किन मुद्यों पर कार्य करना है जिनकी जानकारी उनके द्वारा विस्तार से दिया गया व परियोजना का समझ बनाने हेतू LFA पर विस्तार से जानकारी दिये, संगठन के माध्यम से वनअधिकार व्यक्तिगत व सामुदायिक तथा संग्रहण आजीविका को सुनिश्चित करना, किन–किन मुद्यों पर कार्य करना है उन्हें बताया संगठन वनअधिकार सामुदायिक दावा, व्यक्तिगत बनअधिकार, ग्राम सभा, लैंगिंक मुद्या, मोटा अनाज, मनरेगा, पर चर्चा किया गया, सूचकांक मापने का तरीका, गतिविधियां होनी चाहिए

जिसे विस्तार से बताया गया। परसुराम जी द्वारा राज्यस्तरीय संगठन, लोक आव्हान मंच के विषय में बताया गया तथा लोक कल्याणी कारी सोच तो होनी चाहिए, संगठन बनाने की प्रक्रिया एवं कार्य तथा ग्राम सभा के विषय में बताया गया तथा (VDE) ग्राम विकास समिति, संगठन, प्रतिनिधित्व कर्ता इनके विषय में विस्तार से जानाकरी दिया गया। समिति में कौन–कौन सदस्य हो सकते है तथा न्यूनतम संख्या कितनी होनी चाहिए, कम से कम 12 व अधिकतम 25 होनी चाहिए तथा कार्यकलाओं की भूमिका के विषय में बताया, कौन–कौन पद पर कार्य नियुक्त होगा उनकी पहचान कैसे करें, महिला पुरूषों की बराबर भागीदारी महिला समूह व ग्राम की समितिया, मिटिंग, निर्णय सचिव की भूमिका, रजिस्टर साधारण, फॉलोअप कार्यकाल कितना समय का होना चाहिए इन पर समझ बनाने की कोशिश की गई।

माधुरी पाठक जी के द्वारा प्रोफाईल के विषय में तथा संदर्भ केन्द्र पर बात किया गया व टारगेट ग्रुप की पहचान ग्राम के समस्त जानकारियां कार्यकर्ताओं को होनी चाहिए। लता नेताम जी द्वारा लैंगिक मुद्दो के विषय में महिला पुरूषों को लेकर लोगों में भेदभाव के विषय में समझ बनाने की कोशिश की गई, सामाजिक, प्राकुतिक, भेदभाव, हिंसा के विषय में विस्तृत जानकारी दिया गया, शिशुपाल जी व माधूरी पाठक जी द्वारा इस विषय को लेकर विस्तार से चर्चा किया गया कार्य में जुड़ाव, महिलाओं में जागरूकता, समान भागीदारी होनी चाहिए, घर से बाहर महिलाओं के ऊपर हिंसा, पर रोकथाम लगना चाहिए। महिला लीडरों का चिन्हांकनः– जेंडर को लेकर काम करने वालों की सूची तैयार करने के विषय में चर्चा किया गया, महिलाओं/पुरूषों में भेदभाव को लेकर एक समझ बनाने की कोशिश की गई तथा महिला एवं पुरूषों की सोच बदलने की बात की गई, महिलाओं व पुरूषों को समाज के द्वारा समान भाव कैसे प्राप्त हो इस पर समझ बनाने की बात कही गई तथा एक उदाहरण देकर कि महिला व पुरूष समय कहां ज्यादा व्यतीत करते है उस पर ज्यादा तर लोगों ने महिलाओं को घर में ही कहा इस प्रकार महिलाओं को समाज में समान रूप से अधिकार मिलना चाहिए।

वनअधिकार एवं सामाजिक सुरक्षा पर प्रशिक्षण

जनकल्याण सामाजिक संस्थान, राजनांदगांव के द्वारा कार्यकर्ताओं एवं संगठन के लोगों के वनअधिकार पर जिसमें व्यक्तिगत तथा सामुदायिक दावा के विषय में प्रोजेक्टर के माध्यम से बताया गया, जिसमें 20 ग्राम के संगठन के लोगों ने हिस्सा लिया, प्रशिक्षण का प्रारंभ प्रतिभागियों के परिचय से किया गया,

जिसमें परियोजना क्षेत्र के संगठन के लोगों से अपने कार्य एव नाम के साथ अनुभव को बताया तथा संस्था का परिचय एवं संस्था द्वारा राजनांदगांव के विभिन्न क्षेत्रों में जो कार्य किया जा रहा है, उसके विषय में बताया गया तथा संगठन के लोगों को वनअधिकार के व्यक्तिगत दावा एवं सामुदायिक दावा के विषय में कार्यकर्ताओं एवं संगठन के लोगों ने भाग लिया, परिचय के पश्चात संस्था प्रमुख श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह जी द्वारा संगठन के विषय में प्रकाश डाला गया, जिसमें संगठन को मजबूत करने एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिये क्या करना होगा इस पर विस्तार से चर्चा किया गया, ग्राम विकास की भूमिका एवं उनके कार्यो के

विषय में बताया गया व आत्मनिर्भर होने के दिशा में संगठन के कार्यो (भूमिका) को किन–किन चुनौतियों से निपटना पड़ता है उस पर भी चर्चा किया गया, ग्राम स्तरीय संगठन एवं विकास खण्ड के स्तर पर संगठन की भूमिका एवं कार्यो के विषय पर बात की गयी, जिसमें अब तक के संगठन के द्वारा किये गये कार्यो के विषय में बात किया गया, संगठन की परिभाषा को परिभाषित करते हुये संस्था प्रमुख द्वारा बताया गया कि संगठन की ताकत ग्राम के विकास के लिये अत्यंत आवश्यक है तथा गांव के विकाश के लिये संगठन अपने दायित्व का निरीक्षण कैसे करेगें। संगठन में महिलाओं की भागीदारी होनी चाहिए, ग्राम विकास में बराबर की हिस्सेदार हो तथा महिला पुरूषों में किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए, संगठन के महिलाओं की भी भुमिका पर चर्चा किया गया। ग्राम सभा में संगठन का विशेष महत्व है तथा ग्राम के विकास के लिये ग्राम सभाा में उपस्थित अनिवार्य व ग्राम का कार्य योजना बनाने के

लिये सभी को अपने ग्राम के विकास के लिये योजना बनाना चाहिए, तथा संगठित होकर संगठन के माध्यम से अपने ग्राम के कार्य योजना को ग्राम सभा में प्रस्ताव के लिये ले जाये, व्यक्तिगत व संगठन के माध्यम से सरकार की विधिक कल्याणकारी योजना को हम लोगों तक कैसे पहुचा सके। वन अधिकार से क्या तात्पर्य है एवं वन से क्या जानते है, इसके विषय में विस्तार से बताया गया, प्रोजेक्टर के माध्यम से वन अधिकार जिसमें व्यक्तिगत दावा व

सामुदायिक दावा के विषय में विस्तार से बताया गया, जिसमें उनके अधिकार के विषय में बताया गया, तथा हम व्यक्तिगत दावा व सामुदायिक दावा कैसे कर सकते है, इसके विषय में चर्चा किया गया। जल, जंगल व जमीन का इतिहास आजादी के पहले व आजादी के बाद की समिति पर प्रकाश डाला गया, व अंग्रेजी सत्ता के पहले की स्थित पर विचार किया गया। अधिनियम 2005 विषय में बात किया गया जिसमें आदिवासी एवं गैरआदिवासी के लिये अधिकार पत्र के विषय में बात की गयी, वन ग्राम को राजस्व ग्राम बनाने का अधिकार पत्र 2014 विकास करना चाहता है वह इसके अंतर्गत जमीन एक हेक्टयर तक दिया जा सकता है, अंग्रेजी सत्ता वन अधिकार 1927 में जेल भेजो इस पर भी बात किया गया, इसके पश्चात परम्परागत रूप से अपना जीवन यापन कर रहे लोगों को अधिकार पत्र प्रदान किया जावेगा तथा 1 एकड़ से 10 एकड़ तक दिया जा सकता है। सामुदायिक दावा हक आवेदन के विषय में अलग अलग पर बताया गया, वनअधिकार कानून 3.1 क.ख.ग.घ.झ.ट. के विषय में बताया गया, जिसमें ग्राम सभा का अधिकार नदी नाले पहाड़, पर्वत, देवी, देवता, जंगल रखरखाव प्रवर्पन, संवर्धन के विषय में विस्तार से बताया गया, पारपंरिक बीमा को जानना ग्राम सभा में प्रस्वाव कर मांगना, मुनारा और कपार्टमेंट और कक्ष क्रमांक, समिति निर्माण सामुदायिक दावा, वन अधिकार समिति प्रस्ताव करेगी, ग्राम स्तर समिति, खण्ड स्तर समिति, ग्राम सभा प्रस्ताव, । ग्राम सभा हस्ताक्षर पश्चात समस्त दस्तावेज एस. डी.एम. के पास जमा करना है, व्यक्तिगत दावा एवं सामुदायिक दावा के विषय में विस्तार से चर्चा किया गया, फार्म भरने कि प्रक्रिया पर चर्चा किया गया, तथा फार्म भरने की विधि तथा कार्य को दिखाकर समझाने कि कोशिश की गई, एस.टी. एवं एस.सी. कानून के विषय में भी बात किया गया।

जैविक खाद पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

कासा के सहयोग से जनकल्याण सामाजिक संस्थान राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ द्वारा जैविक खाद एवं मोटा अनाज तथा प्रमाणित बीज निर्माण के विषय में परियोजना क्षेत्र के किसानों का एक दिवसीय प्रशिक्षण किया गया, जिसमें 23 ग्रामों के किसानों ने भाग लिया।

परिचय एवं उद्येश्यः– प्रशिक्षण का प्रारंभ किसानों के परिचय एवं संस्था के कर्मचारियों के परिचय से हुआ, जिसमें जन कल्याण सामाजिक संस्थान द्वारा विभिन्न कार्य किया जा रहा है, इसके विषय में बताया गया, तथा आगामी कार्य योजना के विषय में बताया गया, कार्यक्रम का मुख्य उद्येश्य जैविक खाद से कृषि करना है जिस प्रकार हम पुरानी

परम्परानुसार गत रूप से कृषि करते थे, उसे धीरे–धीरे अपनाना है व जैविक कृषि को बढ़ावा देना, ताकि हमारा फसल निरोगी हो सके, हम अधिक उपज एवं हाईब्रिड धान को अपना रहे है तथा रासायनिक दवा का अधिक प्रयोग हो रहा है, जिससे होने वाला अनाज (फसल) जहरीला हो रहा है, फसल को बचाने के लिये हम क्या कर सकते है, इस विषय पर आज प्रशिक्षण में चर्चा किया गया, तथा उनके उपयोग से होने वाले दुष्प्रभाव को कैसे कम कर सकते है, आज हम अनाज का उपयोग कर रहे है जो जहरीला है, जिससे हम कई प्रकार से बिमारियों से घिर रहे है, तथा हमारा पशु भी बीमार हो रहे है, उससे कैसा बचा जा सकता है, इस विषय पर बात किया गया, मोटा अनाज व देशी धान को बचाये रखने एवं गुणवत्ता पर विस्तार से चर्चा किया गया तथा बचाये रखने के उपाय पर की चर्चा किया गया।

जैविक कृषिः– जैविक कृषि को बढ़ावा देना है, जिससे रासायनिक खाद में कमी हो तथा फसलों एवं जमीनों को बंजर होने से बचाया जा सके।

बीज बैंकः– बीज बैंक पर भी बात किया गया क्योकिं दिन–प्रतिदिन बीज बैंक में कमी आ रही है, जिससे हमारी बीज से आत्मनिर्भरता में लगातार कमी आ रही है, इसे हम कैसे बचा सकते है, इस विषयों पर भी बात किया गया।

स्थानीय हवा का निर्माणः– हम अपनी फसलों को कीट से बचाने के लिये स्थानीय हवा का निर्माण कैसे कर सकते है तथा हम इसे कैसे बना सकते है, इस पर भी विचार विमर्श कर स्थानीय दवा क्या–क्या हो सकती है इन सब क उपर चर्चा किया गया।

जैविकता सब्जीः– (कीचनगार्डन) रासायनिक खाद एवं दवा के बिना हम कैसे सब्जी का निर्माण कर सकते है तथा इनकी विधि क्या है, इसके विषय में लंबी चर्चा की गई जिससे जैविक कृषि को आसानी से समझा जा सके व अमल में लाया जा सके।

कम्पोष्ट खाद निर्माणः– इसके बारे में किसानों से चर्चा किया तथा इसके निर्माण कि विधि को बताया गया व ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकार (कृषि विभाग) से मिलने वाली सहायता पर भी चर्चा किया गया।

उपचारित बीज निर्माणः– अच्छे किस्म की बीज हम अपने स्तर पर कैसे तैयार कर सकते है, जिससे बीज 100 प्रतिशत गुणवत्ता वाला हो तथा बाहर से खरीदना न पड़े तथा आसानी से निर्माण किया जा सके इन पर बात किया गया, तिरंगा

कान्सेप्ट तैयार करना तथा उसे अपनाना प्रबंधन के ऊपर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है बीज बनाने की विधि को प्रयोग कर किसानों को समझाया गया, जिससे किसान अपने लिये आसानी से उपचारित बीज का निर्माण कर सके व तकनीकि बदलाव लाकर बीच स्वयं तैयार कर उपयोग में ला सके, (खेती–किसानी) जमीन पर विशेष रूप से चर्चा किया गया।

खेत, बैंक, बाजारः– खेत को व बैंक, बाजार की उपयोगिता को समझाने का प्रयास किया गया, तथा हम जमीन को कैसे संजोये रख सकते है तथा बैंक, बाजार की उपयोगिता कैसे होगी या जरूरत क्यो है इस विषय पर विशेष रूप से चर्चा किया गया।

मिट्टी प्रशिक्षणः– मिट्टी का परीक्षण कराना अनिवार्य है, क्योंकि हमें पता होना चाहिए, कि हमारी जमीन का किस्म क्या है तथा ग्रामीण कृषि अधिकारियों से मिलकर जमीन के बारे में जानना अनिवार्य है, तभी हम अच्छा पैदावार कर सकते है, कृषि से सबंधित विभिन्न प्रकार की योजनाओं को बढ़कर बताया गया तथा किन–किन कृषि यंत्रों में कितना अनुदान है इसे ब्रोसर के माध्यम से बताया गया।

घरेलू हिंसा पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

कासा के सहयोग से जनकल्याण सामाजिक संस्थान, राजनांदगांव द्वारा डॅवलमेंट इनिसेटिव इन छत्तीसगढ़ के तहत ग्राम गोटाटोला, वि.ख. मोहला, जिला राजनांदगांव में घरेलू हिंसा कानून पर एक दिवसीय प्रशिक्षण किया गया, जिसमें परियोजना क्षेत्र के सभी ग्राम के महिला लिडरों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का उद्येश्यः– महिला लिडरों में जागृति लाकर गांव में जागृति लाना है, जिससे महिलाओं में हो रहे अत्याचार को रोकरना एवं पीड़ित व्यक्ति कि मदद करना है, आम तौर पर महिलाओं के ऊपर हो रहे अत्याचार व उनके साथ हो रहे भेदभाव को मिटाना है तथा महिला कानून कि जानकारी देना है जिससे महिलायें अपने अधिकार को जाने एवं अपने अधिकार के लिये लड़े तथा आत्मनिर्भरता महिलाओं में कैसे और इस पर विस्तार से बताया गया, कार्यक्रम का प्रारंभ एक दूसरे के परिचय से हुआ एवं संस्था का परिचय व कार्यक्रम का उद्येश्य समन्वयक द्वारा दिया गया।

हिंसा के प्रकार व कानूनी दावों में नये कानूनः– सूचना का अधिकार, घरेलू हिंसा, यौन हिंसा, विरासत के अधिकार के विषय में विस्तार से बताया गया, वर्तमान में दुनिया भर में हो रहे अत्याचार एवं घटित घटनायें के विषय में बताया गया, व्यवसाय व रोजगार के अधिकार हिंसा मुक्त माहौल सम्मान से जीवन यापन, अधिकार का हनन पर कानूनी जानकारी दिया गया।

महिला संगठनः– महिलाओं के संगठन के विषय में बताया गया कि सामूहिक रूप से किसी भी कार्य को करने से जो शक्ति मिलती है, उसे हम अपने लिए व समाज तथा गांव के विकास के लिये कैसे कर सकते है, इस पर विस्तार से चर्चा किया गया, संगठन के माध्यम से अनचाहे दबाव से हम कैसे बच सकते है इसके विषय में बताया गया।

महिलाओं को धाराओं को जानकारीः– संगठन कि महिलाओं में धाराओं कि जानकारी दिया गया व किस प्रकार कि हिंसा में किस प्रकार कि धारायें लागू होगी, तथा सहायता कहां मिल सकती है, इसके विषय में जानकारी दिया गया, संरक्षण अधिकारी सेवा प्रक्रता, पुलिस स्टेशन स्वयं सीधे न्यायालय प्रार्थना पत्र दाखिल के विषय में बताया गया।

पीड़ित को चिकित्सा सुविधाः– पीड़ित को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना व स्त्रोत के विषय में बताया गया। शारीरिक जैविक हिंसा के विषय में बताया गया अपराधिक कानून संशोधन अधिनियम के विषय में बताया गया तथा धारा को बढ़कर बताया गया।

मौखिक भावनात्मक हिंसा के उदाहरणार्थः– अपमान, नाम पुकारना, चरित्र आचरण दोषा रोपन, पुरूष, बालक न होने के अपमान दहेज के विषय में व नौकरी छोड़ने इस सभी विषयों की जानकारी दी गयी। महिला हिसां कानून आधारित पुस्तक की प्रतियां वितरित की गयी व विस्तार से समझाया गया।

महिलाओं का सेनेटरी पैड एवं आयवर्धन पर प्रशिक्षण

कार्यक्रम का प्रारंभ प्रेरणागीत से हुआ व एक दूसरे के परिचय के माध्यम से किया गया एवं प्रशिक्षण को लेकर महिलाओं कि सोच एंव सीख के विषय में बात किया गया, संगठन से जुड़ी महिलाओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण परियोजना क्षेत्र के ग्राम गोटाटोला मंगलभवन में रखा गया जिसमें पांच पंचायतों के संगठन से जुड़ी हुई महिलाओं ने भाग लिया, इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्येश्य था कि ग्रामीण क्षेत्रों की

महिलाओं का आय अर्जन कराना व साथ ही माहवारी स्वच्छता के विषय में जानकारी देना तथा मासिक धर्म पर जानकारी तथा प्रबंधन पर उनके साथ चर्चा कर स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना जिससे महिलाओं को अस्वच्छता से होने वाले परेशानियों से अवगत कराया जा सके। मासिक धर्म व स्वच्छता प्रबंधन पर विशेष बातचीत

कर विस्तार से चर्चा किया गया, व देखा गया कि माहवारी को लेकर ग्रामीण महिलाआ की क्या स्थिति है ताकि महिलाओं को होने वाली माहवारी की समस्याओं से निजात मिले। अस्वच्छता से होने वाले बिमरियों के बारे में बताया गया तथा किशोरी बालिकांए जो शाला, विद्यालयों, धार्मिक स्थानों पर नहीं जा सकती, उन्हें काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है जिससे कई परेशानियां भी होती है। संगठन से जुड़ी महिलाओं को बताया गया कि उन्हें पैड के विक्रय से काफी मुनाफा होगा जिससे वे अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार ला सकती है व स्वच्छता में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। उद्यमिता के अंतर्गत सेनेटरी पैड का विपणन संवर्धनी क्या है इस विषय में विस्तार से जानकारी दिया गया, तथा महिलाओं का सभी क्षेत्रों में सहभाग बढ़ाने और क्षमताओं को विकाश हेतु यक कार्यक्रम है इस कार्यक्रम का एक पूर्ण घटक माहवारी स्वच्छता प्रबंधन है

- माहवारी स्वच्छता
- माहवारी शोषक
- माहवारी अपशिष्ट

महिलाओं को माहवारी के विषय में विस्तार से समझाया गया जिससे उन्हें स्वच्छता को समझने में आसानी हो सके तत्पश्चात मासिक धर्म प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले कारक को बताया गया। सही सेनेटरी पैड का चुनाव करना व पैड बदलना, साबुन का इस्तेमाल करना व स्वच्छता को अपनाना इसमें विशेष ध्यान रखकर बिमारियों से बचा जा सकता है, मासिक धर्म की सामान्य अवधि कि जानकारी दी गई जिसे ध्यान देनी की आवश्यकता है। प्रबंधन के विषय में बताया गया जिससे स्कूल व कॉलेजों में किशोरी बालिकाओं के लिए अति आवश्यक है, इस्तेमाल किये गये कपड़ों का प्रबंधन हम कैसे करें उसकों विस्तार से चर्चा किया गया, ताकि प्रबंधन की जानकारी सबको रहे, सेनेटरी पैड की गुणवत्ता के विषय में बताया गया जिससे विश्वसनियता बढ़े, कार्यक्रम के माध्यम से संगठन से जुड़ी महिलाओं को सेनेटरी पैड के माध्यम से अपना आयवर्धन कैसे कर सकते है व स्वच्छता की जानकारी कैसे दे सकते है इसके बारे विस्तार में बताया गया।

गृह वाटिका (**Kitchen Garden**) का निर्माण

कीचन गार्डन के निर्माण हेतु परियोजना क्षेत्र के 124 किसानों को तैयार किया गया है एवं संस्था द्वारा परियोजना क्षेत्र के छोटे किसानों को कीचन गार्डन बनाने के विषय में बताया गया तथा संस्था द्वारा लोगों से निरंतर बैठक कर कीचन गार्डन के विषय की पूर्ण जानकारी परियोजना क्षेत्र के किसानों को दी गयी है, कीचन गार्डन के माध्यम से हम खराब पानी का उपयोग कैसे कर सकते है व छोटे बाड़ी

का निर्माण कर अपनी आवश्यकताओं को कैसे पूरा कर सकते हे, इन सब आवश्यकताओं को गृह वाटिका के माध्यम से कैसे प्राप्त कर सकते है इसकी जानकारी दी गयी, परियोजना क्षेत्र के किसानों के घरों में किसानों द्वारा छोटे–छोटे कीचन गार्डन का निर्माण कर उनकी आर्थिक स्थिति को कैसे सुधार सकते है, इस विषय पर विस्तृत रूप से चर्चा कर जानकारी प्रदान की गयी। कीचन गार्डन के विषय में परियोजना क्षेत्र के प्रत्येक ग्रामों में बैठक किया गया तथा जरूरतमंद किसानों की सूची को तैयार की गयी, जिससे किसानों के द्वारा अपनी बाड़ी की साफ–सफाई एवं घेरा बंदी की तैयारी की जा रही है खास कर महिलाओं को निरन्तर प्रेरित किया जा रहा है, क्योंकि महिलाएं ही घर में पानी भरती है तथा घर का ज्यादातर कार्य करती है। संस्था द्वारा कीचन गार्डन का निमार्ण कैसे कर सकते है इसे प्रशिक्षण के माध्यम से विस्तृत रूप से बताया गया है एवं निःशुल्क खाद–बीज व दवाई दिया जा रहा है, प्रथम चरण में 124 किसानों की सूची बनायी गई है, जो कीचन गार्डन बनाने के लिए उत्सुक है। इस प्रकार संस्था द्वारा नियमित रूप से प्रत्येक गांव में जाकर संपर्क किया जा रहा है, जून माह में बरसाती फसल लेने एवं देशी बीज के बारे में बताया जा रहा है, जिससे सब्जी में खर्च होने वाला पैसा अन्य कार्यो में लगाया जा सके।

बालश्रम, बालशोषण एवं सुरक्षा पर विधिक शिविर

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं बचपन बचाव आंदोलन के सहयोग से जन कल्याण सामाजिक संस्थान द्वारा मोहला विकासखण्ड के गोटाटोला में एक दिवसीय विधिक शिविर का आयोजन किया गया। इस विधिक शिविर में 100 से अधिकर प्रतिभागियों ने भाग लिया, इस शिविर में प्रथम श्रेणी न्यायाधीश एवं प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री मिंज

सर, सत्र न्यायाधीश डी.पी.तिवारी सर, बचपन बचाव आंदोलन से संदीप राव एंव सोमा नायर राज्य समन्वयक, समाजसेवी संस्था से अमलेन्दु हाजरा जी एवं जन कल्याण सामाजिक संस्थान के अध्यक्ष योगेन्द्र प्रताप सिंह उपस्थित थे।

स्वयं सहायता समूहों का प्रशिक्षण

नाबार्ड के सहयोग से जन कल्याण सामाजिक संस्थान द्वारा राजनांदगांव एंव कबीरधाम जिलें के 10

ग्रामों में समूह नेतृत्व प्रशिक्षण किया गया। जिसमें 300 महिला लीडरों को प्रशिक्षित किया गया। इस प्रशिक्षण में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को विभिन्न जानकारी प्रदान की गई, इसके पश्चात कार्यक्रम के उद्देश्यों पर चर्चा की गई, सर्वप्रथम समूह बनाने के उद्देश्यों पर चर्चा की गई, समूह के माध्यम से हम छोटी–छोटी बचत करके आर्थिक जरूरतों को पूरा कर सकते है एवं आर्थिक परेशानियों से बच सकते हैं, समूहों के मासिक बैठक मासिक बचत, ऋण का आंतरिक तत्पश्चात समूह के दस्तावेजीकरण पर चर्चा की गई एक समूह के पास कौन–कौन सी दस्तावेज होनी चाहिए एवं उनके रख–रखाव के विषय में बताया गया, समूह के बैंक लिंकेज के विषय पर चर्चा की गई, समूह बैंक से जुड़कर लेनदेन शुरू कर सकता

हैं, समूह बैंक से लोन लेकर अपना स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ कर सकता हैं, जिसमें मछली पालन,डेयरीफार्मिंग,बकरी पालन, दोना–पत्तल व्यवसाय, सामूहिक कृषि आदि व्यवसाय आसानी से की जा सकती है और अधिक से अधिक आय उपार्जन कर आर्थिक रूप से सक्षम बन सकती है, समूह के पदाधिकारियों के कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी गई, बताया गया कि समूह के अध्यक्ष का कर्तव्य है वह समूह के बैठको का सुचारू रूप से संचालन करें प्रत्येंक सदस्य को बोलने का मौका दिया जाना चाहिए एवं जरूरत के अनुसार सदस्यों को ऋण का लेन–देन करना चाहिए इसी तरह सचिव का कर्तव्य ब ताया गया कि वह सभी बैठको को होने वाली कार्यवाही का दस्तावेजीकरण करना चाहिए एवं उनका रखरखाव की जानी चाहिए उसी तरह कोषाध्यक्ष को ऋण का लेन–देन का दस्तावेजीकरण करना चाहिए एवं समूह के पैसों का हिसाब –किताब रखना चाहिए, समूह के सदस्यों को सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया, समूहो आर्थिक गतिविधियों के साथ–साथ सामाजिक गतिविधियों में भी भाग लेना चाहिए, जिससे महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा और समाज के विकास में वे भी अपना भागीदारी बना सकेंगे।

इन्टरनेट साथी

चौपाल विकास प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान के सहयोग से जन कल्याण सामाजिक संस्थान द्वारा राजनांदगांव, खैरागढ़, मानपुर–मोहला में कार्य किया जा रहा है, जिसमें 3 ब्लॉक में 03 समन्वयक एवं 90 इन्टरनेट साथियों का चयन किया गया है, वे अपने चयनित ग्रामों में मोबाईल को चलाने का प्रशिक्षण सतत् प्रदान कर रहे है। इस प्रकार ग्रामों की महिलाओं में काफी बदलाव आया है, उन्हें मोबाईल के लाभों की जानकारी दी जा रही है ताकि उनके समय का सदूपयोग हो सके। इस कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं को इंटरनेट एवं नेटवर्क से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इसमें महिलाओं को मोबाईल चलाने की सम्पूर्ण जानकारी दी जा रही है।

बहु सेवा केन्द्र का संचालन

संस्था द्वारा वृद्धों के कल्याणार्थ हेतु समर्पण बहुसेवा केन्द्र का संचालन किया जा रहा है। उनके मनोरजंन के लिये कैरम, चैस, लुडो, ताश, टी.वी. एवं समाचार पत्र का प्रबंध किया गया है साथ ही साथ चाय नाश्ता की भी व्यवस्था है, इस प्रकार वृद्धों के समय के सदुपयोग एवं उनके मनोरजन व रचनात्मकता को बानये रखने के लिए इस केन्द्र का संचालन मोहला ब्लॉक के गोटाटोला पंचायत में

किया जा रहा है । जिसमें प्रतिदिन ग्राम के 35 बुजुर्ग सेवा केन्द्र में आकर समय का सदुपयोग करते है । दिन का खाली समय ये यही व्यतीत करते है। समय समय पर इनके लिये खेल व प्रतियोगिताओ का भी आयोजन किया जाता हैं।

शिक्षा की बात सबके साथ

आक्सफार्म रायपूर के मार्गदर्शन में समर्थ चैरिटेबल ट्रस्ट एवं ग्राम मित्र के सहयोग से स्थानीय संस्था जन कल्याण सामाजिक संस्थान द्वारा ग्राम पंचायत–धीरी के सामुदायिक सीख केन्द्र में शिक्षा की बात सबके साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया, संस्था के अध्यक्ष श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह ने संबोधन में कहा कि शिक्षा के अधिकार के तहत 6 वर्ष से 14 वर्ष के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है, लड़कियों की शिक्षा प्रथम प्राथमिकता हो और जिसके लिए सुरक्षित वातावरण और अधोसरंचना बनाई जाये, स्कूलों में चारदीवारी को जल्द से जल्द पूरा किया जाये, आवश्यकता अनुरूप आंगनबाड़ी की संख्या बढ़ाई जाये और नियमित समय से सहायता तथा संसाधनों की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाये, आर्थिक रूप से पिछड़े बच्चें को उच्च शिक्षा देने में असफल हो रहे है, शिक्षा व स्वास्थय के विषय पर ग्रामीणों द्वारा दी गई सुझाव को संलग्न कर सभी पार्टी के सांसद प्रत्याशियों को संकल्प पत्र दिया गया है और विजय प्रत्याशी को अपने लोकसभा क्षेत्र में शिक्षा व स्वास्थ्य के विषय में कार्य करने के लिए प्रेरित किया जायेगा, भूतपूर्व सरपंच कल्याण साहू ने कहा कि संस्था द्वारा ग्रामीणों को स्वास्थ्य व शिक्षा के विषय में जागरूक करने का कार्य कर रहा है यह बहुत ही प्रशासनीय है, समाज सेवी रूपेश निषाद ने कहा की गांव में जिस तरह से मितानिन स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी सेवा प्रदान कर रही है उसी प्रकार हमारे गांव में सीख कार्यक्रम के अंतर्गत पालकों, बच्चों, पंचायत प्रतिनिधियों, शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों को स्कूल व घरों में बच्चों की पढ़ाई के लिए वातावरण निर्माण में सभी लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का कार्य किया जा रहा है, मास्टर ट्रेनर हरीश क्षत्रिय, हुमेश्वर प्रसाद द्वारा पालकों को बताया गया कि घर में बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार, स्थानीय कहानी, कविताओं, चुटकुले खेल गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में मितानिन सरोज साहू रूखमणी

साहू, ग्राम संगठन से हेमलता साहू, सीख मित्र दानी निषाद, छात्रा कुमारी मधु निषाद, मौना निषाद, उपस्थित थे।

कुपोषण अभियान में सवरता बचपन अभियान

संस्था द्वारा माननीय कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास के निर्देशन में राजनांदगांव के 10 आंगनबाड़ी केन्द्रों को गोद लेकर कुपोषित बच्चों में कुपोषण से सामान्य श्रेणी में लाने हेतु जिम्मेदारी प्रदान की गई है, इसके लिए संस्था द्वारा कुपोषित बच्चों के घर गृह भेंट, इनके पालकों से चर्चा, उनके वनज की निगरानी, स्वच्छता एवे पोषण की स्थिति, आंगनबाड़ी केन्द्र की निगरानी, अपनी ओर से बच्चों को विशेष पोषक आहार जैसेः–दूध, फल, अण्डे, गुड़, फल्ली की चिक्की साथ ही सुपोषण मित्रों एवं ग्राम पंचायत संरपचों से समन्वय आदि कार्यवाहियां की गई।

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता शिविर

ग्राम ठेकवा में बच्चों को स्वच्छता एवं स्वच्छता से संबंधित आदतों विशेषकर हाथ धुलाई को लेकर शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को समन्वयक हरीश क्षत्री द्वारा हाथ धुलाई के विभिन्न चरणों के विषयों में जानकारी प्रदान की गई साथ ही सुबह उठने के बाद रात को सोने तक हमें अपने दैनिक जीवन में किन–किन प्रकार की स्वच्छता का ध्यान रखना है, उसके विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।

शाला प्रबंधन समिति का क्षमता वर्धन

संस्थान द्वारा निशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 को सफल बनाने हेतू शाला प्रबंधन समिति सदस्यों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसमे विषय बच्चे स्कूल क्यों नही जाते

है बच्चे के पालक ध्यान नही देते है हमारे गाँव में यादव है जो पशु चराने का कार्य करते है और अपने साथ बच्चे को लेकर जाते है इस कारण से बच्चे नियमित स्कूल नही जाता है किरण निषाद ने बयाता कि शाला में गठित सदस्यों में सभी सदस्य बैठक में नही जाते है इस कारण से अनियमित बच्चो की जानकरी नही रहता है गाँव में कुछ बड़े कक्षा के जैसे 8वी 9 वी पढ़ने वाले बच्चो के सम्पर्क में आने से छोटे बच्चे स्कूल नही जाते है कई माँ बाप अपने साथ में रिश्तेदार या मंड़ाई में बच्चे को लेकर चले जाते है यह भी एक कारण है गाँव में अधिकांश पालक बच्चो को साथ में खेत बाड़ी या छोटे भाई बहन के देख रेख के लिए घर में रहने बोलते है

सदस्यों ने इन समस्यों के हाल भी सुझाये है अनियमित बच्चो के घर में शिक्षक पंच और समिति के सदस्यों के साथ नियमित सम्पर्क कर बच्चे को शाला जाने के लिए प्रेरित करना चाहिए ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों को नियमित पालको व शिक्षको से ससम्पर्क करना चाहिए द्य3ण् ग्राम सभा में अनियमित बच्चो के सबंध में चर्चा करना

शिक्षा के अधिकार पर पंचायत जनप्रतिनिधियो का क्षमता वर्धन

निशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 को सफल बनाने हेतू पंचायत प्रतिनिधियों मेंतोरनकट्टा के उपसरपंच उमर सिंह ने बताया कि 6 वर्ष से 14 वर्ष के बच्चो को प्राथमिक शिक्षा मिलने का अधिकार है ग्राम ठेकवा के पंच लीना साहू ने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर में भी 5 सितम्बर शिक्षक दिवस में शाला के शिक्षको को अब सम्मनित किया जाना चाहिए द्य ग्राम सोमनी के पंच नन्दा वर्मा ने बताया कि पंचायत बैठक में केवल स्कूल की बुनियादी सुविधाओ पर चर्चा किया जाता है लेकिन प्रशिक्षण में भाग लेने से जानकरी मिली कि अब स्कूलों में जाकर बच्चो के पढाई के सबंध में शिक्षको पालको का सहयोग करना है ग्राम सभा में ग्रामीणों की उपस्थिति नही होने से स्कूल संबधित मुद्दों में चर्चा न होकर केवल पेशन प्रधानमंत्री आवास ए राशन कार्ड ए मनरेगा भवन निर्माण जैसे विषयों पर चर्चा होने के साथ ही वाद दृविवाद की स्थिति बन जाती है पंचायत स्तर में गठित शिक्षा समिति की नियमित बैठके नही होने से स्कूल में अनियमित ए शाला त्यागी मध्यान्ह भोजन की गुणवता एव प्रशासन द्वारा तैयार मीनू के अनुसार मिल रहा है की नही सुचारू रूप से निगरानी नही हो रहा है द्य बच्चो एकक्षा के अनुसार बच्चो के सीख मध्यान्ह भोजन का अनलोकन करने के लिए प्रेरित किया गया ग्राम ईरा के उतरा दीक्षित यपंचद्ध ने बताया कि अनियमित बच्चे के पालको से सम्पर्क करते है तो बोलते है कि बच्चे को रोज स्कूल जाने के लिए बोलते है लेकिन नही जाता है तो क्या शिक्षण से जाने के बाद पुन अनियमित बच्चो के घर मेरे वार्ड के समूह की महिलाये आगनबाडी कार्यकर्त्ता मितानिन नियमित स्कूल जाने वाले बच्चे व पालक से साथ शाला जाने के लिए प्रेरित करुगी

स्पोर्ट्स लर्निंग बाल मेला का आयोजन

स्पोर्ट्स लर्निंग बाल मेला का ग्राम सोमनी के सामुदायिक भवन आवास पारा में आयोजन किया गया

मेले में शिक्षको के मार्गदर्शन में बच्चो के द्वारा तैयार किए गए नवाचार माडल का प्रदर्शन किया गयाए बच्चो के द्वारा मिट्टी के खिलौने पेंटिग एरंगोली बच्चो को ऊचाई माप वजन माप वस्तुओ की खरीदी बिक्री चित्रकलएव्यक्तिगत स्वच्छता हाथ धुलाई उद्देश्य बच्चो को खेल दृखेल में गणित

विज्ञान स्वस्था स्वच्छता की जानकारी देना है शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों जनप्रतिनिधिए शिक्षकए अभिभावक और बच्चो को शारीरिक शिक्षा कार्ड के किट के माध्यम से निशाना साधना गोले में गेद से चकमा देकर मारना जैसे खेल खेलाये गये द्यशारीरिक शिक्षा कार्ड के उपयोग कर बच्चो को नियमित शाला जाने शाला त्यागी में कमी पढाई को रुचिकर शारीरिक विकास एमास पेशियाँ मजबूत होगी और खेल के माध्यम से विषय वस्तुओ से जोड़ सकते हैद्य कि पढाई के प्रति रूचि बढ़ाने के लिए इस प्रकार का आयोजन निश्चित रूप से बच्चोए पालकोए एव शिक्षको को भी समुदाय से जुड़ने का अवसर प्रदान करती है अधिकतर सरकारी स्कूलों में बच्चो की उपस्थिति में कमीए अनियमित शाला त्यागीए घुमंतू परिवार के बच्चो को शाला से जोड़ने के लिए संस्था द्वारा किये जा रहे प्रयास सहरानीय है मेले में घुमन्तु परिवार के 8 शाला त्यागी बच्चे है वीर कुमार देवारए सूर्या नेताम रीवा गोड होलिका सूरज गोड ये सभी चित्रकला मिट्टी के खिलौने शासकीय प्राथमिक व पूर्व माध्मिक शाला सोमनी के 115 बच्चो ने भाग ली

सामुदायिक सीख केंन्द्र में गतिविधियों

गतिविधिया—1. सीख केंद्र में बच्चो को बेस लाइन कर बच्चो को कार्ड चित्रों से मौखिक चर्चा 2.गाँव के परिवेश व स्थानीय कहानियों पर चर्चा किया जाता 3. व्यक्तिगत स्वच्छता 4.पालको से सम्पर्क कर घर में लर्निंग कार्नर में सहयोग करना 5. शिक्षको पालको व पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग से शाला विकाश योजना पर समझ बनाना

ग्राम ठेकवा सोमनी ईरा धीरी चयनित केंद्र औसतन केंद्र मे उपस्थित बच्चों की संख्या 86 सीख मित्रों की संख्या 16 जो की उक्त सीख केंद्र को संचालित कर रहे हैसमुदाय के द्वारा निरीक्षण करने वालों के सख्या 32

घुमंतू परिवार बच्चो के साथ गतिविधि

मोहल्ले में रगोली का कार्यक्रम आयोजित किया गया। बच्चो व पालको को एक साथ जोड़ने में सफल हुए। बच्चो के साथ रंग व चित्रों पर मौखिक चर्चा का अवसर मिला बच्चो में व्यक्तिगत स्वच्छता पर चर्चा , कार्यक्रम में पालक भविष्ववाणी अश्वनी को मुख्य अतिथि रूप में सम्मनित करने से प्रोत्साहित हु।

अन्य कार्यक्रम

संस्था द्वारा जिलें के विभिन्न विकास खण्ड एवं ग्रामों में बच्चों, महिलाओं, एवं समुदाय के अन्य लोगों के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन समय–समय पर किया गया, जैसेः– बाल विवाह के विरूद्ध जागरूकता कार्यक्रम, बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न के विरूद्ध जन जागरूकता कार्यक्रम युवाओं में व्यक्तित्व विकास हेतु शिविर का आयोजन पर्यावरण को बचाने हेतु पर्यावरण संरक्षण के प्रचार–प्रसार जागरूकता कार्यक्रम, टी.बी. एवं मलेरिया के जागरूकता संबंधी शिविर का आयोजन उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों से परिचित कराने हेतु उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, माइग्रेंट लेबर हेतु शिविर एवं जागरूकता का आयोजना किया गया, संस्था द्वारा नशामुक्ति एवं फिजियोथेरेपी सलाह केन्द्र का संचालन किया जा रहा है। साथ ही साथ एक कदम स्वैच्छिक सामाजिक संस्था के सहयोग से जन कल्याण सामाजिक संस्थान द्वारा 50 ग्रामों में गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को कपड़ों का वितरण किया गया। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए भी आयोजना चलाया गया है।